Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 13-12-2006

Participants : Yadav Shri Mitrasen

an>

Title: Need to promote indigenous production of 'Power run Turbines' for agricultural purpose in the country.

श्री मित्रसेन यादव (फैजाबाद) : मान्यवर, साधारण ग्रामीण किसान परिवार के श्री मंगल सिंह, निवासी - भैलोनीलोध, जनपद-ललितपुर, उत्तर प्रदेश ने जनवरी वर्ा 1987 में विश्व का सबसे सरल व अनोखा डीजल बिजली रहित जल शक्ति चालित मंगल ट र्बाइन का अविकार किया, जिसका पेटेंट भी हुआ। अपने में अनोखा, आश्चर्यजनक मंगल टर्बाइन की चर्चा देश-विदेश तक होने लगी, जिसका परीक्षण करने के लिए आईसीएआर के डी.डी.जी. ने अपने प्रमुख वैज्ञानिकों के दल के साथ वर्ा 1987-88 में हफ्तों ठहर कर परीक्षण कराया। यहां तक की अमरीका ने उक्त यंत्र के अविकारक मंगल सिंह को 1990 में फैलोशिप भी दी। वर्ा 1991 में प्रसिद्धि प्राप्त उक्त मंगल टर्बाइन को अंतर्राट्रीय स्तर पर इनोवेटिव फार्मर अवार्ड से पुरकृत किया, जिसको रोम-इटली में भी प्रदर्शित किया गया। आईआईटी ने इसे नोबेल इर्रीगेशन सिस्टम बताया।

इस प्रकार देश-विदेश के अनेक महत्वपूर्ण लोगों के साथ विभिन्न प्रदेशों एवं विभागों से संबंधित दर्जनों वरि,ठ आई.ए.एस अधिकारियों एवं टेक्नोक्रेट्स इस अविकृत लोमर्हाक यंत्र को समय-समय पर देखने व परीक्षण के लिए आए। उदाहरण स्वरूप मध्य प्रदेश के चीफ सेक्रेट्री श्री वी.के.साहा, डा. श्रीमती सरला गोपालन, सचिव भारत सरकार, डा. पंजाब सिंह, डीजी, आईसीआर तथा भारत सरकार व विभिन्न प्रदेशों के ग्राम विकास के अन्य विभागों के सचिवों ने निरीक्षण व परीक्षण किया और इस यंत्र की भूरि-भूरि प्रसंशा, प्रोत्साहन व संस्तुति करते हुए भारत जैसे गरीब कृाि प्रधान देश के लिए अति उपयोगी बताया। इतना ही नहीं सामाजिक सेवा के वरिठ विभिन्न नेता, लोक सभा के अध्यक्ष, श्री पी.ए.संगमा, गांधीवादी सांसद सुश्री निर्मला देशपांडे व राट्रीय स्वयंसेवक संघ के सुप्रीमों माननीय श्री के.सी.सुदर्शन ने इस अविकृत यंत्र को कृाि के क्षेत्र में करोड़ों रुपयों के बिजली की बचत कर लाखों किसानों की भूमि को हरा-भरा करने वाला यंत्र बताया। किंतु खेद व दुर्भाग्य है कि हिंदुस्तान जैसे कृाि प्रधान देश में खेती का बहुत बड़ा हिस्सा भगवान के भरोसे है, वहां पानी से चलने वाले इस यंत्र मंगल टर्बाइन को न केवल देश के कोने-कोने में पहुंचाकर अपने ही देश के स्वदेशी अद्वितीय यंत्र से न केवल लाभान्वित किया अपितु मंगल टर्बाइन जैसे सस्ते यंत्र को प्र ाशासन व अधिकारियों ने ाडयंत्र पर ाडयंत्र रचकर तुड़वाये व उन्हें ठप करवा दिया।

अतैव भारत सरकार से हमारी जोरदार मांग है कि मंगल टर्बाइन जो ाडयंत्र रचकर अधिकारियों व प्रशासन ने बंद करवा दिये हैं उन ाडयंत्रों की जांच कराई जाए व पुनः यथावत चालू करवायें जाए व पूरे देश में इनका विस्तार किया जाये व अविकारक को प्रोत्साहित किया जाए।

MR. SPEAKER: The whole object of mentioning this as 'urgent matter of public importance' is going away. Nobody is bothering about this. I am very sorry to say. There may be important matters. Then, everyday any matter can be raised. I have got a list of 44 - 41 plus 3 – Members to speak. What is to be done? You have to apply your judgement please.